गवाही देना और प्रचार करना—इनमें क्या अंतर है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

उत्तर:

गवाही देना का मतलब है अपने अनुभव के आधार पर सच्चाई को साझा करना—यानि जो आपने खुद देखा, सुना या महसूस किया है, उसे दूसरों को बताना। उदाहरण के लिए, अगर कोई व्यक्ति किसी सड़क दुर्घटना का प्रत्यक्षदर्शी है और वह दूसरों को ठीक-ठीक बताता है कि क्या हुआ था, तो वह उस घटना की गवाही दे रहा है।

इसी तरह, मसीही जीवन में गवाही देना का अर्थ है यीशु मसीह के बारे में अपने व्यक्तिगत अनुभव को साझा करना—उनके स्वभाव, उनके काम, और हमारे जीवन में उनके प्रभाव को बताना। यह “महान आज्ञा” (मत्ती 28:19–20) का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जहाँ यीशु अपने अनुयायियों से कहते हैं कि वे जाकर सब जातियों को चेला बनाएं। यीशु के प्रेम और सामर्थ्य के बारे में अपनी गवाही साझा करना दूसरों को उनसे परिचित कराने का एक प्रभावशाली तरीका है।

वहीं, प्रचार करना एक व्यापक और गहरी सेवा है। इसमें गवाही देना शामिल तो है, लेकिन इसके साथ-साथ परमेश्वर के वचन की शिक्षा देना, समझाना, चेतावनी देना और लोगों को सही मार्ग दिखाना भी शामिल होता है। यह सुसमाचार के पूरे संदेश को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत करना है।

मान लीजिए, वही व्यक्ति जिसने दुर्घटना देखी, वह सिर्फ घटना का

गवाही देना और प्रचार करना—इनमें क्या अंतर है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

वर्णन ही नहीं करता, बल्कि लोगों को यह भी सिखाता है कि ऐसी दुर्घटनाओं से कैसे बचा जाए और उन्हें सावधान भी करता है—तो वह प्रचार कर रहा है। उसी तरह, जब एक मसीही केवल अपने अनुभव साझा करने तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यीशु मसीह की मृत्यु और पुनरुत्थान का अर्थ समझाता है, और लोगों को विश्वास करने और मन फिराने (पश्चाताप करने) के लिए बुलाता है, तो वह प्रचार कर रहा होता है।

प्रचार का अर्थ केवल यह बताना नहीं है कि यीशु ने क्या किया, बल्कि यह भी है कि लोग उस पर कैसे प्रतिक्रिया दें—उद्धार, पश्चाताप और आज्ञाकारिता पर जोर देना।

2 तीमुथियुस 4:2 (पवित्र बाइबल) कहता है:

“वचन का प्रचार कर; समय और असमय तैयार रह; सब प्रकार की सहनशीलता और शिक्षा के साथ समझा, डाँट और समझा-बुझा।”

एक विश्वास करने वाले के रूप में, हमें दोनों कामों के लिए बुलाया गया है—गवाही देने के लिए (अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा करना) और प्रचार करने के लिए (सुसमाचार के पूरे संदेश की घोषणा करना)।

गवाही देना और प्रचार करना—इनमें क्या अंतर है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

2 तीमुथियुस 4:5 (पवित्र बाइबल) हमें यह भी याद दिलाता है:

“पर तू सब बातों में सचेत रह, दुख उठा, सुसमाचार प्रचारक का
काम कर, और अपनी सेवा को पूरा कर।”

Share on:
WhatsApp